तुम अगर द्वार भोले के | By Ashish Chandra Shastri

तुम अगर द्वार भोले के आते रहो
काम जो भी हैं बिगड़े सुधर जाएंगे
बाबा शिव को पुकारा जो मन से कभी
जो ख़ज़ाने हैं खाली वो भर जायेंगे

बाबा भोले की भक्ति है सबसे सरल
जो किसी देव देवी में पाई नहीं
कौन ऐसा अभागा है संसार में
जिसने शिव जी की महिमा को गाई नहीं
सोचने में समय तेरा जाता रहा
तो सुहाने ये पल भी गुज़र जाएंगे

सोना चांदी तो बाबा नहीं मांगते
भाव से गंगा जल ही चढ़ा दीजिये
फूल फल भी चढाने से मजबूर हो
हाथ चरणों के आगे बढ़ा दीजिये
बाबा ऐसे दयालु हैं भक्तों सुनो
जो भी संकट तुम्हारे है टल जायेंगे

जिंसके होंठों पे शिव शिव का उच्चार है
उनके जीवन में देखा चमत्कार है
उनके चरणों में जा अब तू देरी ना कर
वो ही दातार सच्चा मददगार है
सबकी बिगड़ी बनाते हैं भोले सदा
तेरी बिगड़ी को क्या वो मुकर जायेंगे

तूने शास्त्र पढ़े तूने वेद पढ़े
शास्त्र पढ़कर भी तूने ये सोचा नहीं
तूने वेद पढ़े तूने शास्त्र पढ़े
शास्त्र पढ़कर भी तूने ये सोचा नहीं
भोले बाबा के दर पे तू आके तो देख
तेरे सारे ही संकट तो मिट जाएंगे

भोले नाथ के चरणों में चारो धाम हैं
आजा आजा यही भक्ति का धाम है
डमरू वाले की पूजा तो की ही नहीं
फिर तीर्थों पे क्यों कर हम जाएंगे

तू भटकता है दर दर परेशान क्यों
तेरी मुश्किल का बाबा को एहसास है
मुझको काशी निवासी पे विश्वास है
वो तो रहता सदा भक्त के पास है
शिव का सुमिरन जो भक्तजन करते सदा
भक्त भोले के भव से भी तर जाएंगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%85%e0%a4%97%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-

%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-by-ashish-chandra-shastri/